विभागाध्यक्ष द्वारा पत्र

चिकित्सा पेशा सबसे संभ्रांत पेशा है । सभी चिकित्सा विशेषताओ मे से संवेदनाहरण विभाग विशेष है क्यूंकी ज्ञान प्रदान करने के अलावा यह वह कौशल प्रदान करता है जिनसे जीवन बचाया जा सकता है, जीवन दिया जा सकता है और जीवन प्रकृति का कायाकल्प कर सकते हैं। चिकित्सा क्षेत्र तिव्र्र गति से प्रगति कर रहा है। शल्य चिकित्सा के विकास के साथ संवेदनाहरण विभाग से समर्थन की मांग भी निरंतर बढ़ रही है । हमारा विभाग क्षेत्रों को उत्कृष्ट ज्ञान के साथ साथ कठोर प्रशिक्षण प्रदान करता है जिससे वे व्यावसायिक और वैज्ञानिक चुनौतियों का सरलता से सामना कर पाये । संवेदनाहरण के विभिन्न घटक - संवेदनाहरण, गहन चिकित्सा तीव्र एवं जीर्ण पीड़ा हरण और पुनरुथान करने का कौशल पाठ्यक्रम मे समाविष्ट है जो शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए एक आसाधारण वातावरण प्रदान करते है। नैदानिक ज्ञान के अलावा, विभाग दुनिया भर मे प्रगति के साथ तालमेल रखने के लिए नैदानिक अनुसंधान गतिविधियों का आयोजन करता है। उच्चतम संकाय , उच्च स्तर की शिक्षा, अनुसंधान, और रोगी की देख-भाल योग्य छात्रों को इस विभाग एवं संस्थान मे आकर्षित करते है।

संवेदनहरण चिकित्सा को समाज के लिए उपयोगी बनाना इस विभाग का उत्तरदायित्व है। इस विभाग के छात्र एवं निवासी चिकितसक विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन , धार्मिक यात्राए और राष्ट्रीय आपदा मे अपनी सेवाए प्रदान कर राष्ट्र की सेवा करते है मैं इस विभाग को देश में शिक्षा, नैदानिक कौशल और अनुसंधान के लिए एक आदर्श स्थापित करना चाहती हू।

यह एक चुनौती पूर्ण कार्य है जो केवल विभागीय दल के सहायता से पूर्ण किया जा सकता है । । मैं इस सपने को साकार करने के लिए अपने पूरे विभाग से समर्थन चाहती हू। मैं आश्वस्त हूँ कि सबके सहयोग से यह विभाग अपने उद्देश्यों के पूर्ति कर पाएगा ।

धन्यवाद,

डॉ अरुणा जैन
निदेशक आचार्या और प्रमुख
ल.ह.म.सी.
नई दिल्ली